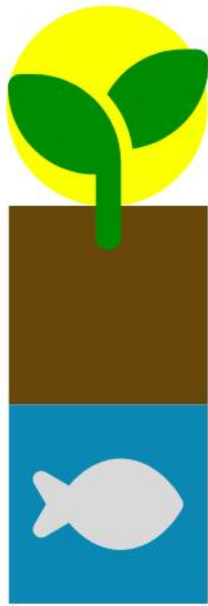
कृषि के बाइबिल सिद्धांत



BIBLICAL PRINCIPLES OF AGRICULTURE

परिश्रम से घृणा न करो, न खेती से,
क्योंकि परमप्रधान ने उसे ठहराया है।
सिराच 7:15

खाद्य पदार्थों की कीमतें कैसे कम करें

फिल्मों में अश्लीलता और कामुक दृश्यों पर प्रतिबंध लगाएँ क्योंकि इस तरह के मनोरंजन से अकाल पड़ेगा। (टोबिट 4:13)
अकाल से खाद्य पदार्थों की कीमतें बहुत बढ़ जाएंगी। (2 राजा 6:25)
हस्तमैथुन न करें क्योंकि यह आपको आलसी बना देगा। (सुलैमान की बुद्धि 3:14, नीतिवचन 24:30-34)
'न काम करो, न खाओ' की नीति बनाओ। (2 थिस्सलुनीकियों 3:10)

प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग करें। नदियों के किनारे की सभी ज़मीनों को खेती के लिए आवंटित करें। हर घर के लिए पानी के पंप या कुएँ बनवाएँ, खास तौर पर उन लोगों के लिए जो नदियों से दूर रहते हैं। (यशायाह 32:20)
वर्षा का पानी इकट्ठा करें। (लैव्यव्यवस्था 26:3-5)
बैल पालना। (नीतिवचन 14:4)

कृषि की महानता और मूल्य को बढ़ावा दें। (अरिस्टेयस का पत्र 5:9-10,13)
नागरिकों को अपना भोजन स्वयं उगाने के लिए प्रोत्साहित करें। (नीतिवचन 6:6-8, नीतिवचन 27:23-27)
हर शहर को अपना भोजन स्वयं उपलब्ध कराना चाहिए। (उत्पत्ति 41:48)

इंजील में मूसा की बनाई पाँच पुस्तकों

और परमेश्वर ने कहा, पृथ्वी से घास, बीज देने वाले छोटे-छोटे पौधे, और फल देने वाले वृक्ष जिनके बीज उन्हीं में होते हैं, पृथ्वी पर उगें: और ऐसा ही हुआ। और पृथ्वी से घास, बीज देने वाले छोटे-छोटे पौधे, और फल देने वाले वृक्ष जिनके बीज उन्हीं में होते हैं, पृथ्वी पर उगें: और परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है। और परमेश्वर ने कहा, देखो, मैंने तुम्हें सारी पृथ्वी पर जितने बीज देने वाले छोटे-छोटे पौधे हैं, और जितने वृक्षों में बीज देने वाले फल होते हैं, वे सब दिए हैं; वे तुम्हारे भोजन के लिए होंगे। उत्पत्ति 1:11-12,29

और परमेश्वर ने कहा, हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं; और वे समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और घरेलू पशुओं, और सारी पृथ्वी पर, और सब रेंगनेवाले जन्तुओं पर जो पृथ्वी पर रेंगते हैं, अधिकार रखें। तब परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार बनाया, अपने ही स्वरूप के अनुसार परमेश्वर ने उसको बनाया; नर और नारी करके उसने मनुष्यों की सृष्टि की। और परमेश्वर ने उनको आशीष दी, और परमेश्वर ने उनसे कहा, फूलो-फलो, और पृथ्वी में भर जाओ, और उसको अपने वश में कर लो; और समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और पृथ्वी पर रेंगनेवाले सब जन्तुओं पर अधिकार रखो। उत्पत्ति 1:26-28

और यहोवा परमेश्वर ने भूमि से सब भांति के वृक्ष उगाए, जो देखने में मनोहर और जिनके फल खाने में अच्छे हैं; और वाटिका के बीच में जीवन का वृक्ष और भले या बुरे के ज्ञान का वृक्ष भी लगाया। उत्पत्ति 2:9

और आदम से उसने कहा, "तूने जो अपनी पत्नी की बात मानकर उस वृक्ष का फल खाया है जिसके विषय में मैं ने तुझे आज्ञा दी थी कि तू उसको न खाना; इस कारण भूमि तेरे कारण शापित है; तू उसकी उपज जीवन भर दु:ख के साथ खाएगा; वह तेरे लिये काँटे और ऊँटकटारे उगाएगी; और तू खेत की घास खाएगा; अपने माथे के

पसीने की रोटी खाया करेगा, अन्त में मिट्टी में मिल जाएगा; क्योंकि तू उसी में से बनाया गया है; तू मिट्टी तो है और मिट्टी ही में फिर मिल जाएगा।" उत्पत्ति 3:17-19

इसलिए यहोवा परमेश्वर ने उसे अदन की वाटिका से बाहर भेजा, कि वह उस भूमि पर खेती करे, जहां से वह निकाला गया था। उत्पत्ति 3:23

और इसहाक ने उस देश में बोया, और उसी वर्ष में सौ गुना फल पाया; और यहोवा ने उसको आशीष दी। उत्पत्ति 26:12

इसलिए अब फिरौन एक समझदार और बुद्धिमान आदमी को ढूँढ़कर मिस्र देश का अधिकारी नियुक्त करे। फिरौन ऐसा करे, और देश पर अधिकारी नियुक्त करे, और सातों सुखी वर्षों में मिस्र देश का पाँचवाँ भाग अपने अधिकार में रखे। और वे आने वाले अच्छे वर्षों की सारी भोजन-वस्तुएँ इकट्ठा करें, और फिरौन के अधीन अन्न इकट्ठा करके नगरों में भोजन-वस्तुएँ रखें। और वह भोजन-वस्तु मिस्र देश में आने वाले अकाल के सात वर्षों के लिए देश के भण्डार के रूप में रहे; ऐसा न हो कि देश अकाल से नाश हो जाए। उत्पत्ति 41:33-36

और उसने मिस्र देश में सातों वर्षों की सारी भोजनवस्तु बटोरकर नगरों में इकट्ठा किया, अर्थात् नगरों के चारों ओर के खेतों की सारी भोजनवस्तु उसी नगर में इकट्ठा की। उत्पत्ति 41:48

और यूसुफ के कहे अनुसार सात वर्ष का अकाल पड़ने लगा: और अकाल सब देशों में था; परन्तु मिस्र के सारे देश में अन्न था। और जब मिस्र के सारे देश में भूख लगी, तब लोगों ने फिरौन से रोटी माँगी; और फिरौन ने सब मिस्रियों से कहा, यूसुफ के पास जाओ; जो कुछ वह तुम से कहे, वही करो। उत्पत्ति 41:54-55

यूसुफ ने अपने पिता, भाइयों और पिता के सारे घराने को उनके कुलों के अनुसार भोजन देकर पाला। और सारे देश में रोटी न थी, क्योंकि अकाल बहुत भयंकर था, यहां तक कि मिस्र और कनान का सारा देश अकाल के कारण व्याकुल हो गया। और यूसुफ ने मिस्र और कनान के देश में जो धन था, उसे इकट्ठा करके उस अन्न के बदले में जो उन्होंने मोल लिया था, इकट्ठा किया; और वह धन यूसुफ ने फिरौन के भवन में पहुंचाया। और जब मिस्र और कनान के देश में धन समाप्त हो गया, तब सब मिस्री यूसुफ के पास आकर कहने लगे, हमें भोजन दो, क्योंकि धन समाप्त हो गया है, तो हम तेरे रहते क्यों मरें? यूसुफ ने कहा, अपने पशु दे दो; और यदि धन समाप्त हो जाए, तो मैं तुम्हें तुम्हारे पशुओं के बदले दूंगा। और वे अपने पशु यूसुफ के पास ले आए; और यूसुफ ने उन्हें घोड़ों, भेड़-बकरियों, गाय-बैलों और गधों के बदले भोजन दिया; और उस वर्ष उसने उनके सब पशुओं के बदले में उन्हें भोजन दिया। जब वह वर्ष समाप्त हुआ, तो दूसरे वर्ष वे उसके पास आए, और उससे कहा, हम अपने स्वामी से यह बात न छिपाएंगे कि हमारा धन व्यय हो गया है; हमारे स्वामी के पास हमारे पशु भी हैं; हमारे स्वामी के सामने हमारे शरीर और भूमि को छोड़ और कुछ नहीं बचा है; फिर हम और हमारी भूमि, तेरे देखते क्यों मरें? हमें और हमारी भूमि को रोटी के बदले मोल ले, कि हम और हमारी भूमि फिरौन के दास हो जाएं; और हमें बीज दे, कि हम मरें नहीं, वरन जीवित रहें, और भूमि उजड़ न जाए। और यूसुफ ने मिस्र की सारी भूमि फिरौन के लिये मोल ले ली; क्योंकि अकाल के कारण मिस्रियों ने अपनी अपनी भूमि बेच दी थी; इस प्रकार भूमि फिरौन की हो गई। और उसने लोगों को मिस्र की सीमा के एक छोर से दूसरे छोर तक नगरों में बसाया। उत्पत्ति 47:12-21

तब यूसुफ ने लोगों से कहा, देखो, मैंने आज तुम लोगों को और तुम्हारी भूमि को फिरौन के लिए खरीद लिया है। देखो, यहाँ तुम्हारे लिए बीज है, और तुम भूमि में बोना। और जो उपज बढ़े उसका पाँचवाँ भाग फिरौन को देना,

और चार भाग तुम्हारे अपने होंगे, कि वे खेत में बीज बोएँ, और तुम्हारे और तुम्हारे घराने के लोगों के भोजन के लिये, और तुम्हारे बाल-बच्चों के भोजन के लिये हों। उत्पत्ति 47:23-24

छःवर्ष तक अपनी भूमि में बोना और उसकी उपज बटोरना; परन्तु सातवें वर्ष उसे पड़ा रहने देना; तब तेरे लोगों में से दरिद्र लोग खाने पाएँगे; और जो कुछ वे बचा रखें उसे मैदान के पशु खाएँगे। इसी प्रकार तू अपनी दाख और जलपाई की बारी से भी काम लेना। निर्गमन 23:10-11

और तुम अपने परमेश्वर यहोवा की उपासना करना, और वह तुम्हारे अन्न जल पर आशीष देगा, और मैं तुम्हारे बीच में से रोग दूर करूंगा। निर्गमन 23:25

और जब तुम अपनी भूमि की फसल काटो, तो अपने खेत के कोनों को पूरा-पूरा न काटना, और न अपनी कटी हुई फसल की बालियों को इकट्ठा करना। और न अपनी दाख की बारी से बालें तोड़ना, और न अपनी दाख की बारी के सब अंगूरों को तोड़ना; उन्हें कंगाल और परदेशी के लिये छोड़ देना; मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ। लैव्यव्यवस्था 19:9-10

तुम मेरी विधियों का पालन करना। अपने पशुओं को भिन्न जाति का न रखना; अपने खेत में मिला-जुला बीज न बोना; और न सन और ऊन का मिला-जुला वस्त्र पहिनना। लैव्यव्यवस्था 19:19

और जब तुम उस देश में प्रवेश करो, और वहां सब प्रकार के फल के वृक्ष लगाओ, तो उनके फलों को खतनारहित समझना; अर्थात् तीन वर्ष तक वे तुम्हारे लिये खतनारहित ठहरें; और उन में से कुछ न खाया जाए। लैव्यव्यवस्था 19:23

और जब तुम अपनी भूमि की फसल काटो, तब अपने खेत के कोनों को पूरी तरह से न काटना, और न अपनी फसल की कटाई के समय बची हुई बालें बटोरना; उसे कंगालों और परदेशियों के लिये छोड़ देना; मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ। लैव्यव्यवस्था 23:22

छःवर्ष तक तू अपना खेत बोना, और छःवर्ष तक अपनी दाख की बारी छाँटकर उसके फल बटोरना; परन्तु सातवें वर्ष भूमि के लिये विश्राम का दिन हो, अर्थात् यहोवा के लिये विश्राम का दिन हो; इसलिये न तो तू अपना खेत बोना, और न अपनी दाख की बारी छाँटना। लैव्यव्यवस्था 25:3-4

वह पचासवाँ वर्ष तुम्हारे यहाँ जुबली का वर्ष हो; उसमें तुम न बोना, और न जो अपने आप उगे उसे काटना, और न अपनी दाखलता की बिना तोड़े हुए अंगूर तोड़ना। क्योंकि वह जुबली का वर्ष है; वह तुम्हारे लिये पवित्र है; तुम उसकी उपज खेत में से खाना। लैव्यव्यवस्था 25:11-12

इसलिए तुम मेरी विधियों का पालन करना, और मेरे नियमों को मानना, और उनके अनुसार चलना; और तुम उस देश में निडर बसे रहोगे। और भूमि अपनी उपज देगी, और तुम पेट भर खाओगे, और उस में निडर बसे रहोगे। और यदि तुम पूछो, कि सातवें वर्ष हम क्या खाएंगे? तो देखो, हम न तो बोएंगे, और न अपनी उपज बटोरेंगे; तो मैं छठे वर्ष में तुम पर अपनी आशीष की आज्ञा दूंगा, और वह तीन वर्ष तक फल देगा। और तुम आठवें वर्ष बोना, और नौवें वर्ष तक पुरानी उपज खाते रहना; जब तक उसके फल न आ जाएं, तब तक तुम पुरानी उपज खाते रहना। लैव्यव्यवस्था 25:18-22

यदि तुम मेरी विधियों पर चलो, और मेरी आज्ञाओं को मानो, और उनका पालन करो; तो मैं तुम्हें समय पर वर्षा दूंगा, और भूमि अपनी उपज उपजाएगी, और मैदान के वृक्ष अपने फल दिया करेंगे। और तुम दाख की फसल के समय तक दाख की फसल काटोगे, और बोने के समय तक दाख की फसल काटोगे; और तुम अपनी रोटी पेट भर खाया करोगे, और अपने देश में निडर बसे रहोगे। लैव्यव्यवस्था 26:3-5

और भूमि की सारी उपज का दशमांश, चाहे वह भूमि का बीज हो, चाहे वृक्ष का फल, वह यहोवा का है; वह यहोवा के लिये पवित्र है। लैव्यव्यवस्था 27:30

क्योंकि तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे एक उत्तम देश में लिये जा रहा है, जो जल की नदियों का, और तराइयों और पहाड़ों से निकलने वाले गहिरे झरनों का देश है; वह गेहूं, जौ, दाखलता, अंजीर और अनार का देश है; वह जैतून और तेल और मधु का देश है; उस देश में तुझे अन्न की घटी न होगी, और उस में तुझे किसी वस्तु की घटी न होगी; वह ऐसा देश है जिसके पत्थर लोहे के हैं, और जिसके पहाड़ों में से तू पीतल खोद सकता है। जब तू खाकर तृप्त हो जाए, तब उस उत्तम देश के कारण जो तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे देगा, उसको धन्य कहना। व्यवस्थाविवरण 8:7-10

और यदि तुम मेरी आज्ञाओं को जो मैं आज तुम्हें सुनाता हूं ध्यान से सुनो, और अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम रखो, और अपने पूरे मन और पूरे प्राण से उसकी सेवा करो, तो मैं तुम्हारे देश में वर्षा, अर्थात् पहली और पिछली दोनों वर्षा को समय पर दूंगा, जिस से तुम अपना अन्न, नया दाखमधु और टटका तेल इकट्ठा कर सकोगे। और मैं तुम्हारे पशुओं के लिये तुम्हारे खेतों में घास उगाऊंगा, कि तुम उसे खाकर तृप्त हो सको। व्यवस्थाविवरण 11:13-15

अपने खेत में प्रतिवर्ष जितनी उपज हो, उसका दसवां अंश अवश्य अलग करके रखना। व्यवस्थाविवरण 14:22

तू अपनी दाख की बारी में अलग-अलग बीज न बोना, कहीं ऐसा न हो कि जो बीज तू ने बोया हो, और जो दाख की बारी का फल हो, वह अशुद्ध हो जाए। व्यवस्थाविवरण 22:9

जब तू अपने खेत में फसल काट ले, और उसका पूला खेत में भूल जाए, तो उसे लेने के लिए फिर न जाना; वह परदेशी, अनाथ, और विधवा के लिए पड़ा रहना; इसलिये कि तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे सब कामों में तुझे आशीष दे। व्यवस्थाविवरण 24:19

और यदि तू अपने परमेश्वर यहोवा की बात ध्यान से सुने, और उसकी सारी आज्ञाओं के अनुसार चले, जो मैं आज तुझे सुनाता हूं, तो वह तुझे पृथ्वी की सब जातियों में श्रेष्ठ करेगा। और यदि तू अपने परमेश्वर यहोवा की बात सुने, तो ये सब आशीर्वाद तुझ पर आएंगे, और तुझ को आएंगे। धन्य हो तू नगर में, धन्य हो तू खेत में। धन्य हो तेरी सन्तान, और तेरी भूमि की उपज, और तेरे पशु, और गाय-बैल, और भेड़-बकरी के बच्चे। धन्य हो तेरी टोकरी और तेरा भण्डार। व्यवस्थाविवरण 28:1-5

और यहोवा तुझे धन-संपत्ति, और तेरी सन्तान, और पशुओं के बच्चे, और भूमि की उपज, अर्थात् उस देश में जो यहोवा ने तेरे पूर्वजों से शपथ खाकर तुझे देने को कहा था, बहुतायत से देगा। यहोवा तेरे लिये अपना उत्तम भण्डार अर्थात् आकाश खोल देगा, कि तेरे देश पर समय पर वर्षा करे, और तेरे सब कामों पर आशीष दे; और तू बहुत सी जातियों को उधार दे, परन्तु किसी से उधार न लेना। व्यवस्थाविवरण 28:11-12

इतिहास

इसलिए तू और तेरे बेटे और तेरे सेवक उसके लिए ज़मीन जोतना और उसकी उपज लाना, ताकि तेरे स्वामी के बेटे को खाने को मिले; लेकिन तेरे स्वामी का बेटा मपीबोशेत हमेशा मेरी मेज़ पर खाना खाया करेगा। अब सीबा के पंद्रह बेटे और बीस सेवक थे। 2 शमूएल 9:10

और शोमरोन में बड़ा अकाल पड़ा, और देखो, उन्होंने उसे घेर लिया, यहां तक कि एक गधे का सिर अस्सी टुकड़े चांदी में और एक कबूतर की बीट की चौथाई भाग पांच टुकड़े चांदी में बिकने लगी। 2 राजा 6:25

फिर उसने यरूशलेम में रहनेवाले लोगों को याजकों और लेवियों का भाग देने की आज्ञा दी, कि वे यहोवा की व्यवस्था में शान्ति पाएं। और आज्ञा सुनते ही इस्राएली अन्न, दाखमधु, तेल, मधु और खेत की सारी उपज की पहली उपज बहुतायत से ले आए; और सब वस्तुओं का दशांश बहुतायत से ले आए। और इस्राएल और यहूदा के जो लोग यहूदा के नगरों में रहते थे, वे भी बैलों और भेड़ों का दशांश, और अपने परमेश्वर यहोवा के लिये पवित्र की हुई पवित्र वस्तुओं का दशांश लाकर ढेर करके रख देते थे। 2 इतिहास 31:4-6

और अपनी भूमि की पहली उपज और सब वृक्षों के सब फलों का पहला फल प्रति वर्ष यहोवा के भवन में लाया करें; और अपने बेटों और पशुओं के पहिलौठों को, जैसा कि व्यवस्था में लिखा है, और अपने गाय-बैलों और भेड़-बकरियों के पहिलौठे अपने परमेश्वर के भवन में उन याजकों के पास लाया करें जो हमारे परमेश्वर के भवन में सेवा टहल करते हैं; और हम अपने आटे और भेंटों का पहला फल और सब प्रकार के वृक्षों के फल, चाहे वे दाखमधु हों या तेल, अपने परमेश्वर के भवन की कोठरियों में याजकों के पास लाया करें; और अपनी भूमि का दशमांश लेवियों के पास लाया करें, कि हमारी खेती के सब नगरों में दशमांश वही लेवीय रखें। और जब लेवीय दशमांश लें, तब हारून का पुत्र याजक उनके संग रहे; और लेवीय दशमांश का दशमांश हमारे परमेश्वर के भवन की कोठरियों में भण्डार में ले आया करें। क्योंकि इस्राएली और लेवी अन्न, नये दाखमधु और टटके तेल की भेंट उन कोठरियों में ले आएंगे, जहां पवित्रस्थान के पात्र और सेवा टहल करनेवाले याजक, द्वारपाल और गायक रहते हैं; फिर भी हम अपने परमेश्वर के भवन को न छोड़ेंगे। नहेमायाह 10:35-39

कविता

मैं परमेश्वर की खोज करूंगा, और परमेश्वर को अपना मुक़द्दमा सौंप दूंगा। वह तो बड़े-बड़े और अकल्पनीय काम करता है, और अनगिनत अद्भुत काम करता है। वह पृथ्वी पर जल बरसाता है और खेतों में जल बहाता है। अय्यूब 5:8-10

तूने उसे अपने हाथों के कामों पर प्रभुता दी है; तूने सब कुछ उसके पैरों तले कर दिया है: सब भेड़-बकरी, गाय-बैल, मैदान के जानवर, आकाश के पक्षी, समुद्र की मछलियाँ और समुद्र के रास्तों से चलनेवाले जितने जन्तु हैं। हे हमारे प्रभु यहोवा, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर कितना महान है! भजन 8:6-9

वह पशुओं के लिये घास और मनुष्य के काम के लिये जड़ी-बूटी उगाता है; जिस से वह भूमि से भोजनवस्तु उत्पन्न करे; और दाखमधु जिस से मनुष्य का मन आनन्दित होता है, और तेल जिस से उसका मुख चमकता है, और रोटी जिस से मनुष्य का मन दृढ़ होता है। भजन संहिता 104:14-15

वह जंगल को स्थिर जल और सूखी भूमि को जल के सोते बना देता है। और वहाँ वह भूखे लोगों को बसाता है, ताकि वे बसने के लिए एक शहर तैयार करें; और खेत बोएँ और दाख की बारियाँ लगाएँ जो बहुत फल देती हैं।

वह उन्हें आशीर्वाद भी देता है, जिससे वे बहुत बढ़ जाते हैं; और उनके पशुओं को घटने नहीं देता। भजन संहिता 107:35-38

हे आलसी, च्यूंटियों के पास जा; उनके काम पर ध्यान दे और बुद्धिमान हो। उनके बिना न तो कोई अगुआ, न कोई निरीक्षक, और न कोई शासक होता है; तौभी वे धूपकाल में अपना आहार संचय करती हैं, और कटनी के समय अपनी आहारिका बटोरती हैं। नीतिवचन 6:6-8

जो धूपकाल में बटोरता है वह बुद्धिमान पुत्र है, परन्तु जो कटनी के समय सोता रहता है, वह लज्जा का कारण होता है। नीतिवचन 10:5

जो अपनी भूमि जोतता है, वह रोटी से तृप्त होता है, परन्तु जो व्यर्थ लोगों के पीछे चलता है, वह निर्बुद्धि है। नीतिवचन 12:11

निर्धन लोगों की खेती से बहुत भोजनवस्तु मिलती है, परन्तु कुछ लोग विवेक के अभाव में नाश हो जाते हैं। नीतिवचन 13:23

जहाँ बैल नहीं, वहाँ खलिहान साफ रहता है; परन्तु बैल के बल से बहुत उपज होती है। नीतिवचन 14:4

आलसी मनुष्य ठण्ड के कारण हल नहीं जोतता; इसलिये कटनी के समय वह भीख मांगता है, परन्तु उसके पास कुछ नहीं होता। नीतिवचन 20:4

मैं आलसी के खेत के पास से और निर्बुद्धि मनुष्य की दाख की बारी के पास से होकर जाता था; और क्या देखता हूं कि वह कांटों से भरी हुई है, और बिच्छू बूटी ने उसके चेहरे को ढक लिया है, और उसके पत्थर की दीवार टूटी हुई है। तब मैंने देखा, और इस पर अच्छी तरह से विचार किया: मैंने इस पर ध्यान दिया, और शिक्षा प्राप्त की। फिर भी थोड़ी नींद, थोड़ी ऊंघ, और थोड़ी देर हाथ पर हाथ रखे हुए सोना: वैसे ही तेरा दरिद्रता यात्री के समान आएगा, और तेरी दरिद्रता हथियारबंद व्यक्ति के समान आएगी। नीतिवचन 24:30-34

अपने झुंड की स्थिति जानने के लिए तुम मेहनत करो, और अपने झुंडों पर ध्यान दो। क्योंकि धन हमेशा के लिए नहीं रहता: और क्या राजमुकुट हर पीढ़ी तक बना रहता है? घास दिखाई देती है, और कोमल घास दिखाई देती है, और पहाड़ों की जड़ी-बूटियाँ इकट्ठी की जाती हैं। भेड़ें तुम्हारे कपड़ों के लिए हैं, और बकरियाँ खेत की कीमत हैं। और तुम्हारे पास बकरियों का दूध तुम्हारे भोजन के लिए, तुम्हारे घराने के भोजन के लिए, और तुम्हारी दासियों के भरण-पोषण के लिए पर्याप्त होगा। नीतिवचन 27:23-27

जो अपनी भूमि जोतता है, उसके पास बहुत रोटी होगी, परन्तु जो निकम्मे लोगों के पीछे चलता है, उसके पास बहुत गरीबी होगी। नीतिवचन 28:19

वह खेत पर विचार करके उसे खरीद लेती है; और अपने परिश्रम के फल से दाख की बारी लगाती है। नीतिवचन 31:16

इसके अलावा भूमि का लाभ सबके लिए है: खेत से राजा की भी सेवा होती है। सभोपदेशक 5:9

मनुष्य का सारा परिश्रम उसके मुँह के लिए है, तौभी उसकी भूख नहीं मिटती। सभोपदेशक 6:7

जो हवा को देखता है वह बोता नहीं; और जो बादलों को देखता है वह काटता नहीं। सुबह को अपना बीज बोओ, और शाम को अपना हाथ मत रोको: क्योंकि तुम नहीं जानते कि क्या सफल होगा, या तो यह या वह, या दोनों एक जैसे अच्छे होंगे। सभोपदेशक 11:4,6

नबियों

और तेरे कान पीछे से यह वचन सुनेंगे, कि मार्ग यही है, इसी पर चलो, चाहे दाहिनी ओर मुड़ो, चाहे बाईं ओर। और तू अपनी खुदी हुई चान्दी की मूरतों के ओढ़ने और अपनी ढली हुई सोने की मूरतों के आभूषणों को अशुद्ध कर देगा; तू उन्हें मासिक धर्म के वस्त्र की नाईं फेंक देगा; और उस से कहेगा, दूर हो जा। तब वह तेरे लिये वर्षा करेगा, कि तू भूमि में बोए; और भूमि की उपज की उपज भी देगा, और वह उपजाऊ और बहुतायत से होगी; उस दिन तेरे ढोर बड़े बड़े चरागाहों में चरेंगे। और बैल और जवान गधे जो भूमि जोतते हैं, वे फावड़े और फावड़े से फटका हुआ शुद्ध चारा खाएंगे। यशायाह 30:21-24

धन्य हो तुम जो सब जलाशयों के पास बोते हो, और बैलों और गदहों को वहाँ पहुँचने के लिए भेजते हो। यशायाह 32:20

और सूखी भूमि तालाब बन जाएगी और प्यासी भूमि में जल के सोते फूटेंगे; और गीदड़ों के घरों में जहां वे बैठते हैं, वहां घास, नरकट और सरकण्डे उगेंगे। यशायाह 35:7

तुम क्यों उस चीज़ के लिए पैसा खर्च करते हो जो रोटी नहीं है? और जो तृप्त नहीं करती उसके लिए अपना परिश्रम क्यों करते हो? मेरी बात ध्यान से सुनो, और जो अच्छा है उसे खाओ, और अपने मन को चिकनाहट से प्रसन्न रखो। यशायाह 55:2

क्योंकि जैसे वर्षा और हिम आकाश से गिरते हैं और वहाँ यों ही लौट नहीं जाते, वरन भूमि पर पड़कर उपज उपजाते हैं जिस से बोनेवाले को बीज और खानेवाले को रोटी मिलती है, वैसे ही मेरा वचन भी होगा जो मेरे मुख से निकलता है; वह व्यर्थ ठहरकर मेरे पास न लौटेगा, परन्तु जो मेरी इच्छा है उसे पूरा करेगा, और जिस काम के लिये मैं ने उसको भेजा है उसे सफल करेगा। यशायाह 55:10-11

क्योंकि यहोवा यहूदा और यरूशलेम के लोगों से यों कहता है, अपनी पड़ती भूमि को जोतो, और कटीले पेड़ों में बीज मत बोओ। यिर्मयाह 4:3

यहोवा का यह वचन मेरे पास पहुंचा, कि हे मनुष्य के सन्तान, जब कोई देश मेरे विरुद्ध बड़ा अपराध करके पाप करे, तब मैं उसके विरुद्ध हाथ बढ़ाकर उसकी अन्नरूपी आधारशिला को तोड़ डालूंगा, और उस में अकाल भेजूंगा, और उस में से मनुष्य और पशु दोनों को नाश करूंगा। यहेजकेल 14:12-13

वह बहुत जल के पास अच्छी भूमि में लगाया गया था, कि वह डालियाँ फैलाए और फल दे, और उत्तम दाखलता ठहरे। यहेजकेल 17:8

और तुम उस देश में बसे रहोगे जो मैंने तुम्हारे पूर्वजों को दिया था; और तुम मेरी प्रजा ठहरोगे, और मैं तुम्हारा परमेश्वर ठहरूंगा। और मैं तुम को तुम्हारी सारी अशुद्धियों से छुड़ाऊंगा; और मैं अन्न की उपज उगाऊंगा, और तुम पर अकाल न डालूंगा। और मैं वृक्षों के फल और खेत की उपज बढ़ाऊंगा, कि तुम फिर अन्यजातियों में

अकाल के कारण नामधराई न पाओगे। तब तुम अपने बुरे चालचलन और अपने बुरे कामों को स्मरण करोगे, और अपने अधर्म और घिनौने कामों के कारण अपने साम्हने घिनौने ठहरोगे। यहेजकेल 36:28-31

अपने लिए धर्म का बीज बोओ, और कृपा से कटनी काटो; अपनी परती भूमि को जोतो; क्योंकि यहोवा के पीछे चलने का समय आ गया है, कि वह आए और तुम्हारे ऊपर धर्म की वर्षा करे। होशे 10:12

और मैं ने तुम्हारे सब नगरों में दांत साफ रखे हैं, और तुम्हारे सब स्थानों में रोटी की घटी है; तौभी तुम मेरी ओर फिरकर नहीं आए, यहोवा की यही वाणी है। और जब कटनी के तीन महीने रह गए थे, तब भी मैं ने तुम पर वर्षा नहीं की; और एक नगर में जल बरसाकर दूसरे में न बरसाया; एक भाग में जल बरसा, और दूसरा भाग सूख गया। इस प्रकार दो या तीन नगरों के लोग पानी पीने के लिये एक ही नगर में आते थे; परन्तु वे तृप्त नहीं हुए; तौभी तुम मेरी ओर फिरकर नहीं आए, यहोवा की यही वाणी है। मैं ने तुम को झुलसा और फफूंदी से मारा है; जब तुम्हारे बगीचे, तुम्हारी दाख की बारियां, तुम्हारे अंजीर और जैतून के वृक्ष बहुत हो गए, तब खजूर के कीड़े उन्हें खा गए; तौभी तुम मेरी ओर फिरकर नहीं आए, यहोवा की यही वाणी है। मैं ने तुम्हारे बीच मिस्र की रीति के अनुसार मरी भेजी है; मैंने तुम्हारे जवानों को तलवार से मार डाला है, और तुम्हारे घोड़ों को छीन लिया है; और मैं ने तुम्हारे डेरों की दुर्गन्ध तुम्हारे नथनों में पहुंचा दी है; तौभी तुम मेरी ओर फिरकर न आए, यहोवा की यही वाणी है। आमोस 4:6-10

चाहे अंजीर के वृक्ष में फूल न लगें, और न दाखलताओं में फल लगें; जलपाई के वृक्ष की मेहनत व्यर्थ हो जाए, और खेत में अन्न न मिले; भेड़-बकरी बाड़े से अलग हो जाए, और थानों में गाय-बैल न रहें; तौभी मैं यहोवा के कारण आनन्दित रहूंगा, मैं अपने उद्धारकर्त्ता परमेश्वर के कारण आनन्दित रहूंगा। हबक्कूक 3:17-18

हे तुम लोगों को अपने छतवाले घरों में रहने का समय आ गया है, और यह भवन उजाड़ पड़ा है? इसलिये अब सेनाओं का यहोवा यों कहता है, अपनी चालचलन पर ध्यान दो। तुम ने बहुत बोया, परन्तु थोड़ा काटा; तुम खाते हो, परन्तु तृप्त नहीं होते; तुम पीते हो, परन्तु तृप्त नहीं होते; तुम कपड़े पहनते हो, परन्तु गरम नहीं होते; और जो मजदूरी कमाता है, वह अपनी मजदूरी को छेदवाली थैली में रखता है। सेनाओं का यहोवा यों कहता है, अपनी चालचलन पर ध्यान दो। हाग्गै 1:4-7

क्योंकि बीज फलवन्त होगा, दाखलता फलवन्त होगी, भूमि अपनी उपज उपजाएगी, और आकाश से ओस टपकेगी; और मैं इस प्रजा के बचे हुओं को ये सब वस्तुएं दे दूंगा। जकर्याह 8:12

सब दशमांश भण्डार में ले आओ कि मेरे भवन में भोजनवस्तु रहे; और अब इस से मुझे परखो कि मैं तुम्हारे लिये आकाश के झरोखे खोलकर तुम्हारे लिये ऐसा आशीष उंडेलता हूं कि तुम उसे ग्रहण न कर सकोगे। और मैं तुम्हारे निमित्त भक्षक को डांटूंगा, और वह तुम्हारी भूमि की उपज नाश न करेगा; और तुम्हारी दाखलता अपने फल समय से पहिले न गिराएगी, सेनाओं के यहोवा की यही वाणी है। और सब जातियां तुम्हें धन्य कहेंगी, क्योंकि तुम्हारा देश मनोहर होगा, सेनाओं के यहोवा की यही वाणी है। मलाकी 3:10-12

गॉस्पेल

तब उस ने अपने चेलों से कहा, "पक्के खेत तो बहुत हैं पर मजदूर थोड़े हैं; इसलिये खेत के स्वामी से प्रार्थना करो कि वह अपने खेत काटने के लिये मजदूर भेज दे।" मत्ती 9:37-38

और उसने उनसे दृष्टान्तों में बहुत सी बातें कहीं, कि देखो, एक बोनेवाला बीज बोने निकला, और बोते समय कुछ बीज मार्ग के किनारे गिरे, और पक्षी आकर उन्हें चुग गए। कुछ बीज पथरीली भूमि पर गिरे, जहां उन्हें बहुत मिट्टी न मिली, और गहरी मिट्टी न मिलने के कारण वे तुरन्त उग आए। और जब सूर्य निकला, तो वे जल गए, और जड़ न पकड़ने के कारण सूख गए। और कुछ झाड़ियों में गिरे, और झाड़ियों ने उगकर उन्हें दबा लिया। पर कुछ अच्छी भूमि पर गिरे, और फल लाए, कोई सौ गुना, कोई साठ गुना, कोई तीस गुना। जिसके कान हों वह सुन ले। मत्ती 13:3-9

उसने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया, "स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने लेकर अपने खेत में बो दिया। वह तो सब बीजों में सबसे छोटा है, परन्तु जब बढ़ गया, तो सब साग-पात में सबसे बड़ा हो गया; और ऐसा पेड़ हो गया, कि आकाश के पक्षी आकर उसकी डालियों पर बसेरा करते हैं।" मत्ती 13:31-32

इसलिये उस ने उन से कहा, पके खेत तो बहुत हैं पर मजदूर थोड़े हैं; इसलिये खेत के स्वामी से प्रार्थना करो, कि वह अपने खेत काटने के लिये मजदूर भेज दे। (लूका 10:2)

उसने यह दृष्टान्त भी कहा: किसी मनुष्य ने अपनी दाख की बारी में एक अंजीर का पेड़ लगाया था; और वह उस पर फल ढूँढ़ने आया, परन्तु न पाया। तब उसने अपनी दाख की बारी के रखवाले से कहा, देख, मैं तीन वर्ष से इस अंजीर के पेड़ पर फल ढूँढ़ने आता हूँ, परन्तु नहीं पाता; इसे काट डाल; यह भूमि में क्यों दबाये हुए है? उसने उसको उत्तर दिया, कि हे प्रभु, इसे इस वर्ष भी रहने दे, जब तक मैं इसके चारों ओर खोदकर खाद न डाल दूँ; और यदि यह फल दे, तो अच्छा; और यदि न दे, तो उसके बाद इसे काट डालना। लूका 13:6-9

क्या तुम नहीं कहते कि कटनी में अभी चार महीने बाकी हैं? देखो, मैं तुम से कहता हूँ, अपनी आँखें उठाओ और खेतों पर नज़र डालो, क्योंकि वे कटनी के लिए पक चुके हैं। और जो काटता है, वह मज़दूरी पाता है और अनन्त जीवन के लिए फल बटोरता है: ताकि बोनेवाला और काटनेवाला दोनों मिलकर आनन्द मनाएँ। यूहन्ना 4:35-36

मैं तुम से सच सच कहता हूँ कि जब तक गेहूँ का दाना भूमि में पड़कर मर नहीं जाता, वह अकेला रहता है; परन्तु जब मर जाता है, तो बहुत फल लाता है। यूहन्ना 12:24

जब वे किनारे पर पहुँचे, तो उन्होंने वहाँ कोयलों की आग देखी, और उस पर मछलियाँ रखी हुई थीं, और रोटी भी। यीशु ने उनसे कहा, "जो मछलियाँ तुमने पकड़ी हैं, उनमें से कुछ लाओ।" यूहन्ना 21:9-10

तौभी उस ने अपने आप को बे-गवाह न छोड़ा; परन्तु भलाई करता रहा, और आकाश से वर्षा और फलवन्त ऋतु देकर, हमारे मन को भोजन और आनन्द से भरता रहा। प्रेरितों के काम 14:17

पत्रियां

परन्तु मैं यह कहता हूं, कि जो थोड़ा बोता है, वह थोड़ा काटेगा भी; और जो बहुत बोता है, वह बहुत काटेगा। 2 कुरिन्थियों 9:6

और परमेश्वर सब प्रकार का अनुग्रह तुम्हें बहुतायत से दे सकता है जिस से तुम सब बातों में, और सब कुछ जो तुम्हें आवश्यक हो, सर्वदा हर एक भले काम के लिये बढ़ते जाओ। (जैसा लिखा है, कि उस ने फैलाया, और

कंगालों को दिया; उसका धर्म सदा बना रहेगा। जो बोनेवाले को बीज देता है, वह तुम्हारे भोजन के लिये रोटी भी देगा, और तुम्हारे बोए हुए बीज को बढ़ाएगा, और तुम्हारे धर्म के फलों को बढ़ाएगा।) और हर बात में सब प्रकार की बहुतायत के लिये धनी किया जाए, जिस से हमारे द्वारा परमेश्वर का धन्यवाद हो। 2 कुरिन्थियों 9:8-11

और हम भले काम करने में हियाव न छोड़ें, क्योंकि यदि हम ढीले न पड़ें, तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे। गलातियों 6:9

क्योंकि जब हम तुम्हारे साथ थे, तब भी तुम्हें यही आज्ञा देते थे, कि यदि कोई काम न करना चाहे, तो खाने भी न पाए। 2 थिस्सलुनीकियों 3:10

अपोक्रिफा

क्योंकि जैसे किसान भूमि पर बहुत बीज बोता है और बहुत से पेड़ लगाता है, परन्तु जो अच्छा बोया गया है, वह उगता नहीं, और जो बोया गया है, वह जड़ नहीं पकड़ता; वैसे ही जो जगत में बोए गए हैं, उन सब की दशा भी होगी; वे सब न बचेंगे। 2 एज्रा 8:41

जैसे किसान का वंश यदि न उगे और समय पर वर्षा न पाए, वा बहुत अधिक वर्षा हो जाए और उसे नष्ट कर दे, तो वह नाश हो जाता है, वैसे ही मनुष्य भी नाश हो जाता है, जो तेरे हाथों से रचा गया और तेरा ही स्वरूप कहलाता है, क्योंकि तू उसके समान है, जिसके लिये तू ने सब कुछ बनाया, और उसे किसान के वंश के समान ठहराया। 2 एज्रा 8:43-44

उसने मुझे उत्तर दिया, कि जैसा खेत है, वैसा ही बीज भी है; जैसे फूल हैं, वैसे ही रंग भी हैं; जैसा कारीगर है, वैसा ही काम भी है; और जैसा किसान है, वैसी ही उसकी खेती भी है; क्योंकि वह संसार का समय था। 2 एज्रा 9:17

...क्योंकि घमण्ड से विनाश और बहुत क्लेश होता है, और व्यभिचार से विनाश और बड़ी घटी होती है; क्योंकि व्यभिचार अकाल की जननी है। टोबिट 4:13

इसलिए उस जवान ने वैसा ही किया जैसा स्वर्गदूत ने उसे आज्ञा दी थी; और जब उन्होंने मछली भून ली, तो उसे खा लिया: तब वे दोनों अपने मार्ग पर चले गए, जब तक कि वे इक्बाताने के निकट नहीं पहुँच गए। टोबिट 6:5

और धन्य है वह खोजे, जिसने अपने हाथों से कोई अधर्म का काम नहीं किया, न परमेश्वर के विरुद्ध बुरी कल्पना की है: क्योंकि उसे विश्वास का विशेष वरदान और प्रभु के मंदिर में एक विरासत दी जाएगी जो उसके मन के लिए अधिक स्वीकार्य होगी। सुलैमान की बुद्धि 3:14

परिश्रम से घृणा न करो, न खेती से, क्योंकि परमप्रधान ने उसे ठहराया है। सिराच 7:15

जो अपनी भूमि जोतता है, उसका ढेर बढ़ता है; और जो महान लोगों को प्रसन्न करता है, उसका अधर्म क्षमा किया जाएगा। सिराच 20:28

जब तू सारे खेत में उपजाऊ भूमि प्राप्त कर ले, तो अपनी उपज की उत्तमता पर भरोसा रखते हुए, अपने ही बीज से उसमें बोना। सिराच 26:20

तब वे शान्ति से अपनी भूमि जोतते थे, और भूमि अपनी उपज देती थी, और मैदान के वृक्ष अपने फल देते थे। 1 मक्काबीज 14:8

ईडन की भूली हुई पुस्तकें

इसलिए लोगों को खेती और मिट्टी की खेती में खुद को समर्पित करना चाहिए ताकि इस तरह से उन्हें भरपूर मात्रा में फसल मिल सके। इस तरह से हर तरह की खेती की जाती है और पूरे उक्त देश में भरपूर फसल काटी जाती है। अरिस्टियास का पत्र 5:9-10

ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन करके शहर में बसने वाले ग्रामीण लोगों ने कृषि को बदनाम कर दिया: इसलिए उन्हें शहर में बसने से रोकने के लिए राजा ने आदेश जारी किया कि वे बीस दिनों से ज़्यादा वहाँ न रहें। अरिस्टियास का पत्र 5:13

इसलिए, हे मेरे बच्चों, स्त्रियों की सुन्दरता पर ध्यान न दो, और न उनके कामों पर ध्यान दो; परन्तु यहोवा के भय में मन की एकता में चलो, और भले कामों, और अध्ययन और अपने पशुओं की देखभाल में परिश्रम करते रहो, जब तक कि यहोवा तुम्हें ऐसी पत्नी न दे जिसे वह चाहता है, और तुम मेरे समान दुख न सहो। रूबेन का नियम 2:1

खेती-बाड़ी के काम में अपनी पीठ झुकाओ, और खेती-बाड़ी के हर काम में मेहनत करो, और यहोवा को धन्यवाद के साथ भेंट चढ़ाओ। क्योंकि यहोवा तुम्हें धरती की पहली उपज से आशीष देगा, जैसा कि उसने हाबिल से लेकर अब तक सभी संतों को आशीष दी है। क्योंकि तुम्हें धरती की उपजाऊ उपज को छोड़कर कोई और हिस्सा नहीं दिया जाता, जिसकी उपज मेहनत से उगाई जाती है। क्योंकि हमारे पिता याकूब ने मुझे धरती और पहली उपज की आशीषों से आशीष दी है। इस्साकार का नियम 1:39-42

मैं समुद्र पर चलने के लिए नाव बनाने वाला पहला व्यक्ति था, क्योंकि प्रभु ने मुझे उसमें समझ और बुद्धि दी थी। और मैंने उसके पीछे एक पतवार लगाई, और बीच में लकड़ी के एक और सीधे टुकड़े पर पाल तान दिया। और मैं अपने पिता के घराने के लिए मछलियाँ पकड़ता हुआ, जब तक कि हम मिस्र में नहीं पहुँच गए, तब तक मैं किनारे पर चलता रहा। और दया के कारण मैंने अपनी पकड़ को हर अजनबी के साथ बाँटा। और अगर कोई अजनबी, या बीमार, या बूढ़ा होता, तो मैं मछलियों को पकाता, और उन्हें अच्छी तरह से पकाता, और हर आदमी को देता, जैसा कि हर आदमी की ज़रूरत होती, और उनके साथ दुखी होता और उन पर दया करता। इसलिए जब मैं मछली पकड़ता था, तब प्रभु ने मुझे बहुत सारी मछलियाँ देकर तृप्त किया; क्योंकि जो अपने पड़ोसी के साथ बाँटता है, वह प्रभु से कई गुना अधिक पाता है। पाँच साल तक मैंने मछलियाँ पकड़ीं और हर उस आदमी को दिया जिसे मैंने देखा, और मेरे पिता के पूरे घराने के लिए पर्याप्त था। और गर्मियों में मैंने मछलियाँ पकड़ीं, और सर्दियों में मैंने अपने भाइयों के साथ भेड़ें चराईं। जबूलून का नियम 2:6-13